Education with Fun

Name: _____ Date: _____

बस की यात्रा

प्रश्न-1 “मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।” लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उत्तर _____

_____

_____

_____

प्रश्न-2 “ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।” लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उत्तर _____

_____

_____

_____

प्रश्न-3 लेखक ने बस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। लेखक को ऐसा क्यों लगा कि हिस्सेदार की योग्यता का सही उपयोग नहीं हो रहा है?

उत्तर _____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com

बस की यात्रा

प्रश्न-1 "मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।" लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उत्तर कंपनी का हिस्सेदार टायर की स्थिति से परिचित होने के बावजूद भी बस को चलाने का साहस जुटा रहा था। वह अपनी पुरानी बस की खूब तारीफ़ कर रहा था। अर्थ मोह की वजह से आत्म बलिदान की ऐसी भावना दुर्लभ थी जिसे देखकर लेखक हतप्रभ हो गया और उसके प्रति उनके मन में श्रद्धा जाग गई।

प्रश्न-2 "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।" लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उत्तर जब बस चालक ने इंजन स्टार्ट किया तब सारी बस झनझनाने लगी। लेखक को ऐसा प्रतीत हुआ कि पूरी बस ही इंजन है। मानो वह बस के भीतर न बैठकर इंजन के भीतर बैठा हुआ हो। अर्थात् इंजन के स्टार्ट होने पर इंजन के पुर्जो की भांति बस के यात्री भी हिल रहे थे।

प्रश्न-3 लेखक ने बस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। लेखक को ऐसा क्यों लगा कि हिस्सेदार की योग्यता का सही उपयोग नहीं हो रहा है?

उत्तर इस व्यंग्य कथन के माध्यम से लेखक ने कहा है कि बस कंपनी के हिस्सेदार को मालूम था कि बस के टायर घिसे - पिटे हैं और कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उसे न तो स्वंय की जान की परवाह थी और न ही यात्रियों की जान की। उसने टायर बदलने का ज़रा विचार नहीं किया।

https://educationwithfun.com